

SSP/02/75

**बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था**  
**सत्संग शिक्षण परीक्षा**  
**बाल सत्संग - २**  
**( रविवार, १९ जुलाई, १९९८ )**

प्रश्न संख्या	प्राप्तांक		
१.		समय : सुबह ९:०० से ११:००	कुल अंक : १००
२.		परीक्षार्थी क्रमांक	केन्द्र क्रमांक
३.		<input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/>	<input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/> <input style="width: 20px; height: 20px;" type="text"/>
४.		परीक्षार्थी की उम्र : .....वर्ष      केन्द्र का नाम : .....	
५.			
६.		वर्ग सुपरवाइजर के हस्ताक्षर : .....	
७.			
८.		सूचना :-	
९.		१. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं ।	
१०.		२. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।	
		३. छेकछाकवाले उत्तर अमान्य होंगे ।	
स्वच्छ अक्षर		४.	बढिया, सुंदर और स्वच्छ लिखावट के लिए <span style="border: 1px solid black; padding: 2px;">पाँच अंक आरक्षित हैं।</span>
कुल			

परीक्षक के हस्ताक्षर : .....

प्र. १. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का उपयोग कर के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

१०

१. योगीजी महाराजने ..... वर्ष की आयु में साधु होने की दीक्षा ली। (१७, १८, १९)
२. .... के लिये यह देह न्यौच्छावर है।  
(महाराज, गुणातीतानंद स्वामी, प्रमुख स्वामी)
३. शान्तिलालने पार्षदी दीक्षा ..... में ली।  
(गोंडल, अटलादरा, अमदावाद)
४. दादा खाचर को महाराजने ..... महीने में भूमि लौटा दी। (१२, १०, ६)
५. .... में दो बालक नियमित स्वामीश्री के दर्शन के लिये आते।  
(डर्बन, शिकागो, लन्दन)
६. महाराज हरेक को ..... मण गेहूँ पीसने के लिये देते थे।  
(डेढ, ढाई, सवा)
७. चाणसद में ..... साधु का मन्दिर है।  
(दयानन्दी, रामानन्ददी, रामानुजानन्दी)
८. मूलजी का नाम ..... ने रखा।  
(आत्मानन्द स्वामी, रामानन्द स्वामी, मुक्तानन्द स्वामी)
९. मूलजी ..... के वर्ष में घर से चले गये। (१८४१, १८५६, १८६५)
१०. निर्गुणानन्द स्वामी ..... स्वामी का दूसरा नाम था।  
(निर्विकल्पानन्द, गुणातीतानन्द, निर्गुणस्वरूपानन्द)

प्र. २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

१०

१. एकादशी के दिन क्या नहीं खाया जाता ?  
.....
२. जमादार अरब मुसलमान को महाराज में किस के दर्शन हुए ?  
.....
३. दो नन्हें पाँव किस के लिये हैं ?  
.....
४. गेहूँ पीसने के लिये देने से पूर्व महाराजने क्या शर्त रखा ?  
.....

५. उका खाचर एवं उनके पत्नी नित्य क्या सेवा करते थे ?  
.....
६. मूलजी कौन सी लोरी गाते थे ?  
.....
७. सन्तों के पवित्र चरणों में किस लिये वन्दन करना चाहिए ?  
.....
८. भोला भरवाड 'गुणातीतानन्द' के स्थान पर क्या बोलता था ?  
.....
९. स्वामीश्रीने रामा हाटी से क्या प्रश्न पूछा ?  
.....
१०. उन्नीसवें व्यक्ति को दीक्षा देकर महाराजने क्या नाम रखा ?  
.....

प्र. ३. निम्नलिखित वाक्य कौन किस से कहते हैं, यह बताईए । ( किन्ही पाँच )

१०

१. "हमारे साधु बनेंगे ?"  
.....
२. "मैं पढ लिखकर बडा विद्वान न बनूँ तो मुजे कहना।"  
.....
३. "एसा करुणाकर कोई अन्य नहीं देखा।"  
.....
४. "चौथा मजदूर मैं, उठाओं भगत को।"  
.....
५. "आप को जो करना है सो करें, किन्तु मैं भगवान का स्मरण नहीं छोडूँगा।"  
.....
६. "श्रीमंत होने की मेरी ईच्छा नहीं है, मैं तो साधु होऊँगा।"  
.....

७. “बित्तेभर का है, और मुझे शिक्षा देने आया है ?”

.....

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन पंक्तियों में दीजिए । ( किन्हीं पाँच )

१०

१. मूलजी का नामकरण कर के रामानन्द स्वामीने क्या कहा ?

.....

.....

.....

२. योगीजी महाराज वृद्ध एवं अन्ध साधु को साथ लेकर क्यों फिरते थे ?

.....

.....

.....

३. मूलु खाचर का परिवर्तन किस रीति से हुआ ?

.....

.....

.....

४. महाराजने रामदास स्वामी को पत्र में क्या लिखा ?

.....

.....

.....

५. एकादशी व्रत से क्या क्या लाभ प्राप्त होते हैं ?

.....

.....

.....

६. मूँजा सुरु स्वभाव से कैसा था ?

.....

.....

७. झीणाभाई की अर्थी उठाकर महाराजने क्या कहा ?

.....

.....

.....

प्र. ५. निम्नलिखित सही वाक्यों के सामने ✓ और गलत वाक्यों के सामने ✗ चिह्न कीजिए ।

१०

१. शास्त्रीजी महाराजने कुल छः मन्दिरों का निर्माण किया। .....
२. महाराज की प्रसादी की पगडी बडौदा में है। .....
३. योगीजी महाराजने १८ वर्ष की आयु में साधु बनने की दीक्षा ली । .....
४. प्रमुख बनने के दिन रस-पूरी का भोज था। .....
५. श्रीजी महाराज के 'पाटवीकुँवर' गुणातीतानंद स्वामी हैं। .....
६. 'भगवान है ही नहीं', ऐसा जो कहे, वह भगवान का द्रोही है।' .....
७. हमारा नन्हा हृदय प्रभु का कार्य करने के लिये है।  
.....
८. जिस घर में मंदिर नहीं, वह घर स्मशान तुल्य है। .....
९. महाराज की कसौटी में सुन्दरजी सुथार उत्तीर्ण हुए। .....
१०. गोपालानन्द स्वामी मूल अक्षर हैं। .....

प्र. ६. नीचे दिये किसी एक पाठ पर दस पंक्तियों में टिप्पणी लिखें ।

१०

१. बिजली की चमक में मोती।      २. बाई, तेरा बेडा पार।
३. घर मन्दिर

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....  
 .....  
 .....

प्र. ७. नीचे दी गई स्वामी की बातें पूर्ण कीजिए ।

१०

१. सत्य, हित, और प्रिय .....
- .....
- .....
- .....
२. जिस के गुरु .....
- .....
- .....
- .....
३. भगवान जीव के .....
- .....
- .....
- .....
४. भगवान भजना .....
- .....
- .....
- .....
५. यदि महान पुरुष .....
- .....
- .....
- .....
६. पाँच - दस बार .....
- .....
- .....
- .....
७. ईस लोक में समझदार .....
- .....
- .....
- .....

प्र. ८. विभाग 'ब' में से योग्य शब्द पसंद कर विभाग 'अ' के साथ जोड़ें बनाए ।

५

'अ'

'ब'

- |           |       |                 |
|-----------|-------|-----------------|
| १. महुवा  | ..... | १. डुँगर भक्त   |
| २. धारी   | ..... | २. मूलजी शर्मा  |
| ३. चाणसद  | ..... | ३. प्रागजी भक्त |
| ४. महेलाव | ..... | ४. शांतिलाल     |
| ५. भादरा  | ..... | ५. झीणा भक्त    |

प्र. ९. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक की पाद - पूर्ति कीजिए । ( किन्ही पाँच )

१०

१. नन्हें नन्हें बाल.....  
 .....  
 .....सत्संग को चमकायेंगे।
२. ढोल नौबत .....  
 .....  
 .....स्वामी प्यारा साथी।
३. भोले होकर .....  
 .....  
 .....प्राण हमारा।
४. नहीं हमारी .....  
 .....  
 .....हृदय हमारा।
५. सूरण पूरण .....  
 .....  
 .....छमकारी।
६. अति मनोहरं .....  
 .....  
 .....नित्य दर्शन को।

